

समता :- रामसिंह,
सदस्य

पुनरावलोकन प्रकरण क्रमांक/6-स्क/97 विरुद्ध आवेश
दिनांक 1-5-97 पारित द्वारा न्यायालय अध्याय, म०प्र० राजस्व
मण्डल, ग्वालियर निगरानी क्रमांक/आरसन/2-1/आर/546/96

शांताबाई पत्नी श्यामराव,
निवासी ग्राम बड़ेगाव,
तहसील मुल्ताई, जिला बैतूल, म०प्र०
विरुद्ध

----- आवेदिका

- 1- श्यामराव पुत्र वैपा
- 2- रघुनाथ आत्मज वैपा
निवासी गण बड़ेगाव, तहसील मुल्ताई
जिला बैतूल, म०प्र०
- 3- मध्यप्रदेश शासन

----- अनावेदकगण

श्री सुमाषा शर्मा, अभिमाषाक आवेदिका
श्री राजाराम शर्मा अभि० अना० 1 व 2
श्री अखिल सिन्हा, अभि० अनावेदक-शासन

:: आ दे श ::

(दिनांक 14 जनवरी, 2000 को पारित)

यह पुनरावलोकन आवेदन मध्यप्रदेश पु-राजस्व संहिता,
1959 (जिसे आगे केवल संहिता कहा गया है) की धारा 51

- के तहत तत्कालीन अध्याय न्यायालय राजस्व मण्डल के निगरानी
प्रकरण क्रमांक/आरसन/2-1/आर/546/96 में पारित आवेश दिनांक
1-5-97 के विरुद्ध पेश की गई है ।

Adm

1-3-2016

3/3/16

अकाउंट की ओर ल ए सी के 0 के 0
 डिपेंडी आमेबाक एव अनावेक काक 3
 की ओर ल ए सी की 0 एन 0 जारी आमेबाक
 उपाधित। शापना व सुन गमा। यह
 पुनर्विलोकन इस आयाकम डार पुनर्विलोकन
 प्रकान प्रमोक 6-1/97 में वारित आदेश
 दिनांक 14.1.2000 के विरुद्ध प्रस्तुत किया
 गया है। विधि का सुस्थापित सिद्धांत
 है कि पुनर्विलोकन आदेश के विरुद्ध
 पुनर्विलोकन प्रस्तुत नहीं किया जा सकता
 है। अतः यह पुनर्विलोकन विधि
 के ~~अनुच्छेद~~ प्रावधानों के अन्तर्गत प्रस्तुत
 नहीं हो सके अतः अग्रार्थ किया
 जाता है।

सुन
 बिगलूर
 1-3-16

अ
 अ

अ
 अ